BJS
Bharatiya Jain Sangathan

भारतीय जैन संगठन
समाचार

मार्च २०१५
अंक ३

www.bjsindia.org

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

भावी युग प्रवर्तक : युवा सामाजिक उद्यमी 3

भारतीय जैन संगठन : व्यापार वृद्धि एवं विकास कार्यक्रम समाचार 4

भारतीय जैन संगठन : कार्यक्रम समाचार 5

भारतीय जैन संगठन :
• यूथ सेल समाचार 5
• संगठनात्मक समाचार 6

उच्च शिक्षितों हेतु तकनीकी ज्ञान आधारित सामाजिक सेवाकीय उद्यमों के नये क्षितिज

सामाजिक क्षेत्र एवं उद्योग उपक्रम प्रवीणता

अनुसंधान आधारित व्यावसायिक संसाधन वृद्धि

व्यवसाय विकास एवं उद्यमीकरण

पारंपारिक व्यवसाय : परिवर्तन से प्रगति एवं विकास

पारंपारिक व्यावसायिक अवधारणाएं : बदलता दृश्य

व्यापार विकास का दीप प्रज्जवलन 3

IGNITING BUSINESS DEVELOPMENT

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से 2

अल्पसंख्यक सूचनाएं, जानकारी एवं समाचार 7

i-BuD
युवा उद्यमी कार्यक्रम के प्रतिभागी 8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से ....

प्रिय स्वजन,

कहते हैं कि परिवर्तन के अतिरिक्त इस विश्व में कुछ भी शाश्वत नहीं है. परिवर्तनों को प्रकृति का नियम भी कहा जाता है. निश्चित व प्रक्रियाबद्ध रूप में घटित हो रही परिवर्तन की घटनाओं से पृथ्वी के समस्त जीव प्रभावित होते हैं, अत: इनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलना ही हम सभी की नियति है.

मानव जीवन की विभिन्न विधाओं पर परिवर्तनों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव स्पष्ट रूप से हम सभी अनुभव कर रहे हैं. पिछले अंक में हमने बदलते सामाजिक परिवेश में वैवाहिक रिश्ते तय करने में हमारी परंपरागत वैचारिकी में परिवर्तन लाने एवं नई प्रणाली प्रस्थापित करने संबंधी विषय पर बातचीत की थी. एक अन्य किन्तु महत्वपूर्ण क्षेत्र है व्यापार, जो जैन समाज में सदियों से पारंपरिक शैली से संचालित हो रहा है किन्तु परिवर्तनों की आंधियों में नेस्तानाबूद होने के कगार पर है. इस वास्तविकता से अब हम सभी परिचित होने लगे हैं कि जैसे-जैसे वाणिज्य एवं व्यवसाय उत्तरोत्तर वैश्विकता प्राप्त कर रहें हैं, वैसे-वैसे ही बाजार के स्वरूप में मूलभूत परिवर्तन आ रहें हैं. एक ओर बाजार उपभोक्ता आधारित हो रहा है वहीं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ, व्यापार की सफलता का पर्याय बन रही हैं. वैश्विकरण, व्यावसायिक स्पर्धा, बढ़ती तकनीकी दखलंदाजी आदि कारणों से पारंपरिक व्यवसाय के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह लगे हैं, वहीं सीमित भौगोलिक क्षेत्र में व्यापार का संचालन अब परीक्षा के दौर से गुजर रहा है. अब तकनीकी स्वयं ही, सूचनाओं एवं ज्ञान आधारित व्यापार को नई दिशा देने का कार्य कर रही है. बदलते सामाजिक परिवेश में मात्र और मात्र आर्थिक लाभ प्राप्त करना व्यापार का उद्देश्य नहीं रह गया है, अपितु सामाजिक उद्यमीकरण, समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का जरिया बन रहा है. इस सूचक परिवर्तन से निकट भविष्य में व्यावसायिक क्रांति का सूत्रपात होगा जिस हेतु जैन समाज को भी सुसज्ज रहने की आवश्यकता है.

भारतीय जैन संगठन बदलती सामाजिक व्यावसायिक परिस्थितियों में, मानव जीवन को प्रभावित कर रही विभिन्न विधाओं से अवगत है. उदभवित हो रही नित नई समस्याओं के समाधान पर हम उत्तरदायी तरीके से कार्यरत हैं. समाजजन् व विशेषकर युवा वर्ग व्यावसायिक चुनौतियों का सफलता से सामना कर सके, हेतु उन्हें सुसज्ज करने के अभिनव कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रस्तुति हेतु हम संकल्पित हैं.

हमारें प्रयासों में एक ऐसा ही कार्यक्रम, 'व्यक्तित्व एवं जीवन विकास' की अवधारणाओं पर आधारित "यूथ रेसिडेंशियल कंप", नासिक (महाराष्ट्र) में २१ से २७ दिसंबर, २०१४ को आयोजित हुआ. यह कार्यक्रम उद्देश्यों की कसौटी पर खरा उतरा है व निकट भविष्य में इसे सभी राज्यों में आयोजित करने की योजना है. आपको ज्ञात ही है कि व्यापार विकास विषय पर विभिन्न विशेषज्ञों एवं वक्ताओं द्वारा सेमिनारों का आयोजन श्रृंखलाबद्ध तरीके से सभी राज्यों में किया जा रहा है ताकि स्पर्धात्मक बाजार व बदलते व्यावसायिक माहौल में समाजजन् व्यापार के सफल संचालन व उसमें आवश्यकतानुसार बदलाव लाने हेतु जरूरी मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें.

इसी तरह का एक अतिविशिष्ट कार्यक्रम 'i-Bud – Igniting Business Development' है जो प्रतिभागियों को ७ दिनों में ७ शहरों में सफल एवं प्रतिष्ठित उद्योगपतियों व प्रबंधन विशेषज्ञों से विचार-विमर्श एवं साक्षात्कार करने तथा उनसे सफलता के मंत्र सीखने का अवसर प्रदान करेगा. साथ ही में भारतीय प्रबंधन संस्था (IIM) जैसी संस्थाओं व उद्योगों के भ्रमण से उन्हें नई दिशा प्राप्त होगी. इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा उद्यमियों में छिपी सुषुप्त संकल्पनाओं को प्रज्जवलित करना है, ताकि वे उनके उद्योग एवं व्यापार का विकास कर सफलता के नए सौपान पर पहुँच सकें.

मित्रों, भारतीय जैन संगठन अविरत रूप से समाज को उर्जान्तरित करने हेतु संकल्पित है ताकि बदल रहे माहौल में उन्नति एवं विकास के उस पथ का निर्माण संभव हो, जिस पर चुनौतियों का सामना करने व आवश्यकताओं के अनुरूप बदलाव लाने की सफल यात्रा प्रारम्भ की जा सके. मैं भारतीय जैन संगठन की ओर से समाजजन् को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि निकट भविष्य में और अधिक समाजोपयोगी कार्यक्रम लाने का प्रयास करेंगे ताकि 'Empowering today, Enriching tomorrow' के लक्ष्य को जैन समाज सफलता से हासिल कर सके.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष

संपादक मण्डल

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई
सुरेश कोठारी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन, बडनेरा
वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया
संजय सिंघी, रायपुर
राजेंद्र लुंकड़, इरोड

इनसे मिलिये

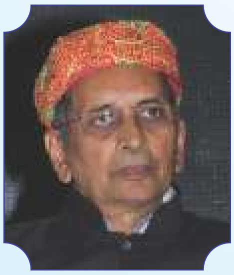

राजस्थान रत्न
श्री कैलाशमल दुगड़

चैन्नई निवासी श्री कैलाशमल दुगड़ भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं. दूरदृष्टा, विरल व्यक्तित्व, मृदुभाषी, मानवता के पक्षधर, सामाजिक नेतृत्वकार जैसी अनेक प्रतिभाओं के धनी श्री दुगड़ जैन समाज के ही नहीं देश के गौरव समान हैं. ५५ वर्षों से अधिक की समाज सेवा यात्रा में आपने अनेक सीमाचिन्ह स्थापित कर समाज व राष्ट्र निर्माण में स्वयं की अविरत उपस्थिति दर्ज करवाई है. २० वर्ष पूर्व आदरणीय श्री शांतिलालजी मुथ्था की सामाजिक विचारधाराओं से प्रभावित होकर उनसे जुड़े ही नहीं अपितु आप भारतीय जैन संगठन के पर्याय बन चुके हैं. आप वर्ष २०१० से भारतीय जैन संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं.

आपका जन्म १९४३ में जोधपुर में हुआ. आपने बी.कॉम. कर मद्रास लॉ कॉलेज से वर्ष १९६४ में एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की. समाजसेवा आपकी रक्तवाहिनियों में बाल्यकाल से ही प्रवाहित होता रहा है. आप विद्यार्थीकाल से ही सामाजिक कार्यों में प्रवत्त रहे. चैन्नई में राजस्थान जैन समाज को संगठित करने के उद्देश्य से आपने वर्ष १९६३ में राजस्थानी यूथ एसोसिएशन की स्थापना की व 'बुक बैंक प्रोजेक्ट' प्रारम्भ किया जिसमें आज तक ८०००० से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं. चैन्नई में प्रथम 'जैन भवन' के निर्माण में आपकी मुख्य भूमिका रही.

शिक्षा एवं शिक्षा विकास हेतु आप प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं. ए.एम. कॉलेज, चैन्नई के ५ वर्षों तक सहयोगी सचिव रहे. सुराना जैन विद्यालय, चैन्नई के १४ वर्षों तक संस्थापक सचिव व वर्तमान में उपाध्यक्ष पद पर सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं. आप राजस्थानी एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं जो शीघ्र ही 'महावीर राजस्थानी इंटरनेशनल स्कूल' प्रारम्भ करने जा रहा है. आप प्रकृति से धार्मिक हैं व अनेक धार्मिक संस्थानों से जुड़े हैं. आप "Lotus Blind Welfare Trust of India"की Advisory Committee के Chairman हैं. वर्ष १९७५ में आपकी 'भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव वर्ष समारोह समिति' के सचिव पद पर तमिलनाडू राज्य सरकार द्वारा नियुक्ति की गई थी. आप 'करूणा इंटरनेशनल' के राष्ट्रीय अध्यक्ष, मारवाड़ी फेडरेशन, चैन्नई के अध्यक्ष व अहिंसा रिसर्च फाउंडेशन के मेनेजिंग डाइरेक्टर हैं. आप सम्यकज्ञान प्रचारक मण्डल, जयपुर के अध्यक्ष हैं.

ऑटोमोबाइल हायर पर्चेज का आपका पारिवारिक व्यवसाय है. आप डेक्कन फाइनेंस लिमिटेड के मेनेजिंग डाइरेक्टर हैं. आप सौंदर्य प्रसाधनों का उत्पादन व निर्यात करते हैं. आपको 'राजस्थान गौरव' सम्मान के अतिरिक्त वर्ष २००४ में श्रीमती प्रतिभा पाटिल के करकमलों से 'राजस्थान रत्न' सम्मान प्राप्त हुआ.

भावी युग प्रवर्तक : युवा सामाजिक उद्यमी

भारत देश में सदियों से सामाजिक कार्यो को दान धर्म से जोड़ा जाता रहा है फलस्वरूप इसे नियोजित स्वरूप प्राप्त नहीं हो सका. इसी कारण से इसके वास्तविक ऑकलन को नजर अंदाज ही नहीं किया गया अपितु सामाजिक उद्यम को हीन भावना से देखने के साथ इसे सामाजिक अपयश का कारण भी माना जाता रहा है। गत कुछ दशकों में आर्थिक सुधारों व परिवर्तनों के चलते स्वीकृत एवं पूर्व प्रस्थापित दृष्टिकोणों में बदलाव के साथ सामाजिक क्षेत्र के व्यवसायीकरण का दौर प्रारम्भ हुआ है.

उच्च शिक्षा, विशेषज्ञता व तकनीकी दक्षता के बल पर युवा पीढ़ी देश के व्यावसायिक चित्र को नया स्वरूप प्रदान करने का सार्थक प्रयास कर रही है. आज का युवा अंगुली के इशारे से सूचनाओं को एकत्रित करने की कला में महारथ प्राप्त कर चुका है. उनका सामुदायिक विकास व नवीनीकरण का रचनात्मक प्रयास, मात्र स्वयं को व्यावसायिक नेतृत्वकार के रुप में प्रस्थापित करना ही नहीं अपितु तकनीकी हस्तक्षेप से इस विस्तृत क्षेत्र की मापक्रमणियता (Scalability) भी सुनिश्चित करना है.

उदाहरण स्वरूप एक विलक्षण एवं नवीनतम् सामाजिक उद्योग उपक्रम का नाम है "मिलाप", जो पूंजी ध्वजारोहण का एक मंच है, जिसकी स्थापना अनोज विश्वनाथन्, सौरभ शर्मा एवं मयूख चौधरी ने की. यह सूक्ष्म ऋणदान (Micro lending) कार्यप्रणाली पर आधारित एक ऐसी संस्था है जो आय वृद्धि एवं सामुदायिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने हेतु संकल्पबद्ध है. वृद्धिगत विपणन माध्यमों (Marketing Channels), बाह्य ठेकेदारी (Outsourcing) व दो अवधियों या एक अवधि में बदली उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं एवं आवश्यकताओं के मद्देनजर, खुदरा विक्रेताओं के लिए यह आवश्यक है कि वे लचीली व उत्तरदायी संवेदनशील आपूर्ति यंत्रणाओं में नियोजन करें, जिस हेतु इस तिकड़ी ने वैश्विक संदर्भो में वो मापदंड प्रस्तावित किये जो व्यापार में वृद्धि का कारण हो सकते हैं. एक अन्य सामाजिक उद्यमी श्री मोहम्मद युनुस हैं जिन्होंने बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक की स्थापना कर, छोटे व सूक्ष्म ऋण प्रदान किये व लाखों जिंदगियों को रोशन किया. इस कार्य हेतु उन्हें नोबल शान्ति पुरुस्कार से नवाजा गया. सम्पूर्ण विश्व में यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले वह प्रथम व्यवसायी हैं.

आज का युवा व्यवसाय के नये-नये क्षेत्रों में जगह बनाते हुए, देश निर्माण की प्रक्रिया से जुड़कर, युग प्रवर्तक बनने की अपार सम्भावनाएं खड़ी कर रहा है. व्यवसाय की दुनियाँ में अब सामाजिक उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु व्यावसायिक दक्षताओं के बल पर सामाजिक उत्थान एवं विकास, स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा व महिला उत्थान आदि क्षेत्रों के द्वार उद्यमियों हेतु खुले हुए हैं. ये उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर सकते हैं जहां अनुसंधान आधारित संकल्पनाओं का विकास कर पर्याप्त संसाधन खड़े किये जा सकते है.

वर्तमान व्यावसायिक पध्दतियों में, व्यावसायिक धारणाओं व समाज कल्याण मॉडलों के मिले-जुले स्वरूप को स्थापित किया जा सकता है जो लक्ष्य निर्धारण, नियंत्रण व सहयोग आधारित हो. आज की दुनियाँ में व्यापार को जिस तरह संचालित करने का प्रचलन बढ़ रहा है, इस पृथ्वी पर यह सशक्त यांत्रिकी (Strong Mechanism) के समान है जो वैश्विक विपत्तियों, पर्यावरणीय तथा सामाजिक अधोगतियों के समाधान में सहायक सिध्द हो रही है.

आज देश के अनेक विश्वविद्यालयों में सामाजिक उद्यमीकरण (Social entrepreneurship) के प्रोग्रॉम चलाये जा रहे हैं. जहां सामाजिक उद्यमियों को तैयार करने हेतु शिक्षण के अतिरिक्त व्यवहारिक ज्ञान भी सिखाया जाता है. भारत में सामाजिक उद्यमीकरण हेतु पिछले कुछ दशकों में व्यापक आधार निर्मित हुआ है. उद्यमियों की दक्षता व व्यापारिक कुशाग्रता की सुगंध व विलयीकरण ने बेहतर समाज निर्माण की संभावनाओं को जन्म दिया है.

सामाजिक उद्यमी स्वयं के बल पर अद्वितीय सिद्धियाँ प्राप्त कर सकते है किन्तु उसकी सफलताओं का पैमाना मात्र आय या लाभ न होकर उसके द्वारा संचालित सामाजिक उत्थान एवं विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत रोशन की गई जिंदगियाँ होना चाहिए. भारतीय जैन संगठन ने गत समय में, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक उद्यमीकरण हेतु तार्किक वकालत की है, यही नहीं इस विषय के विशेषज्ञ व भारतीय जैन संगठन के संस्थापक आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था जो स्वयं सामाजिक उद्यमी हैं, लाखों जिन्दगियों के उत्थान एवं विकास हेतु कार्य किया है. उनकी उदाहरण स्वरूप व प्रेरणामयी जीवन यात्रा से हमें संदेश मिलता है कि सामाजिक उपक्रमों व सशक्त व्यवसाय से समाज को लाभान्वित किया जा सकता है. निजी क्षेत्र व सरकार के साथ संयुक्त उपक्रम में इन संस्थाओं को सरकार की प्रशासनिक नीतियों एवं उनके प्रयासों के बीच विद्यमान अन्तर को समाज हित में घटाने के लिये हमें प्रयासरत रहने की आवश्यकता है.

व्यापार विकास का दीप प्रज्जवलन : i-BuD

भारत को विविधताओं का देश कहा जाता है. सामाजिक व सांस्कृतिक भिन्नताओं के साथ परंपरागत वाणिज्यिक व व्यावसायिक विविधताएँ आकर्षक का केन्द्र तो रही ही हैं, साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त आधार प्रदान करती रही हैं. हमारे पूर्वज परंपरागत व्यवसाय में निपुण रहे साथ ही जातिगत आधार पर व्यवसाय संचालन की परंपरा उनकी विशेषता रही है. जैन समाज परंपरागत रुप से व्यवसायरत है व देश की अर्थव्यवस्था में उसके योगदान से सभी भली भांति परिचित हैं.

बदलते परिवेश में, देश ने गत कुछ दशकों में व्यावसायिक क्षेत्र में नये उपक्रमों के साथ उद्यमियों के पदार्पण का स्वागत किया है. वैश्विकरण की लहर में स्पर्धात्मक बाजार के नए स्वरूप ने व्यापार की परिभाषा एवं अर्थ दोनों को बदलने का कार्य किया. दूसरी ओर तकनीकी के महत्तम उपयोग ने वाणिज्य एवं व्यवसाय को नया ही स्वरूप प्रदान किया है. अब पारंपारिक व्यवसाय का संचालन स्वयं मे एक चुनौती है, वहीं समयानुकूल परिवर्तन कर उसे सफल व जीवंत रखना भी इस नई पीढ़ी के लिए चुनौतियों से कम नहीं है. किन्तु युवा पीढ़ी व खासकर उच्चशिक्षितों को साहसिक उद्यमी बनाने का यह सही समय है जिस हेतु विविध स्तरीय रचनात्मक प्रयासों की आवश्यकता है.

अनेक पहलू जैसे कि वैश्विक बाजार का सीमित ज्ञान, अपर्याप्त ढांचागत सुविधाएं, दक्षता की कमी, सम्पूर्णता का अभाव व संचार माध्यमों के प्रयोग में कौशल्यता का अभाव,अभिनवपूर्ण व्यापारिक युक्तियों से अनभिज्ञता आदि उद्यमियों के विकास मे अवरोध स्वरूप हैं. गॉवों एवं छोटे शहरों के उभरते उद्यमी अनेक जटिल चुनौतियों का सामना करने को बाध्य हैं.

भारतीय जैन संगठन के विशेषज्ञों ने गत वर्षो में तीव्र गति से बदलती परिस्थितियों का अविरत अध्ययन तथा सर्वेक्षण किया है. ज्ञान तथा योग्य संभावनाओं (exposure) के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से युवा वर्ग व विशेषकर उद्यमियों हेतु विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के आयोजन के अतिरिक्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम i-BuD का आयोजन १२ से १८ अप्रैल के मध्य करने जा रहा है.

i-BuD व्यावसायिक विकास के दीप का प्रज्जवलन -उन सभी चुनौतियों के समाधान की परिकल्पना में, ७ दिनो में ७ शहरों के भ्रमण से, युवाओं के स्वप्नों व आकांक्षाओं के मध्य अवरोध रूप बनी खाई को पाटने के लक्ष्य के साथ उन्हे वो मंच प्रदान करेगा जहां वे देश के जाने माने व सफल उद्योगपतियों, उद्यमियों, प्रबंधन विशेषज्ञों आदि से बातचीत, साक्षात्कार कर उनके अनुभवों व जीवन-गाथाओं को सुन व समझ कर प्रेरित हो सकें.

हमें विश्वास है कि i-BuD प्रतिभागी युवा उद्यमियों को लक्ष्य प्राप्ति, संचार माध्यमों तथा संवाद कला में उत्तरोत्तर प्रावीण्य,अभिनव व्यावसायिक आयोजनाएं तथा पारंपारिक सोच से हटकर कुछ नवीन विचारों को उनमें प्रत्यारोपित करने में सफल रहेगा.

भारतीय जैन संगठन : व्यापार वृद्धि एवं विकास कार्यक्रम

जैन समाज हेतु 'व्यवसाय विकास कार्यक्रम का निर्माण एवं प्रस्तुति'

सम्पूर्ण देश का जैन समाज आज भी व्यापार का संचालन परंपरागत रुप से कर रहा है. वाणिज्य एवं व्यवसाय के बदलते स्वरुप व वैश्विकरण के माहौल आदि ने जैन समाज के समक्ष चुनौतियाँ ही खड़ी नहीं की है अपितु उसकी व्यावसायिक अस्मिता व अस्तित्व खतरे में नजर आता है.

इन परिस्थितियों को भारतीय जैन संगठन ने समझा व जैन समाज को आने वाले खतरों से आगाह करने तथा उन्हें मिल रही नित नई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने की योजना पर कार्यरत होते हुए गत एक वर्ष में देश के विभिन्न राज्यों में मैनेजमेंट गुरुओं के माध्यम से **'व्यवसाय विकास'** पर सेमिनारों का श्रृंखलाबध्द आयोजन देश के ७ राज्यों में किया.

मैनेजमेंट गुरु श्री राकेश जैन, इंदौर ने ७ राज्यों में आयोजित ३५ कार्यशालाओं **'बदलोगे तो बढ़ोगे'** मे व्यापारी वर्ग व विशेषकर युवा वर्ग को बदलती परिस्थितियों में सकारात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराया. साथ ही २१ वीं शताब्दी की चुनौतियों को योजनाबद्ध तरीकों से सामना करने हेतु आव्हान किया. उन्हें बदलते सामाजिक-आर्थिक समीकरणों में जैन समाज द्वारा अब तक परंपरागत आधार पर चलाये जा रहे व्यवसाय में आवश्यकतानुसार बदलाव लाने की सलाह दी.

श्री चकोर गांधी, पुणे ने बैंगलोर, हुबली व पुणे में **'सावधान धंधा बदल रहा है'** विषय के माध्यम से कार्यशालाओं को संबोधित कर समाजजन् को सफल व्यापार संचालन के मंत्र दिये.

ज्ञातव्य हो कि व्यावसायिक माहौल में खड़ी हो रही नित नई गंभीर चुनौतियों का जैन समाज सफलता से सामना कर देश के वाणिज्यिक जगत में अग्रणी स्थान बरकरार रख सके व उसकी ज्ञान तथा तकनीकी आधारित व्यापार को नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता विकास के उद्देश्य से भारतीय जैन संगठन नवीन कार्यक्रमों के निर्माण व प्रस्तुति पर अविरत रुप से कार्यरत रहने हेतु संकल्पित है.

प्रिय मित्रों,

हम सभी इस वास्तविकता से परिचित है कि जैन समाज प्राचीन काल से ही व्यवसाय में अग्रणी रहकर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता रहा है. गत कुछ दशकों में, परिवर्तन की बढ़ती तीव्र गति के साथ, व्यवसाय वैश्विक स्वरुप प्राप्त कर रहा है. व्यापार का अर्थ एवं परिभाषाएं बदल रही हैं और बाजार स्पर्धात्मक होने के साथ तकनीकी व ज्ञान आधारित बनता जा रहा है. इन सब कारणों से व्यापार संचालन की पद्धतियों में मूलभूत परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहे हैं, जैसे कि पूंजी से व्यवसाय विकास की अवधारणा अस्थान हो रही है वहीं अभिनव विचार, व्यवसाय विकास व आय में वृद्धि का कारण बन रहे हैं.

जहां तक देश के सम्पूर्ण जैन समाज का प्रश्न है, गत अनेक सदियों से व्यापार का अधिकांशत: संचालन वह आज भी परंपरागत रुप में कर रहा है जिसमें आधुनिक तकनीकी एवं नवीन अभिनवताओं हेतु स्थान ही नहीं है, फलस्वरुप जैन समाज की व्यापार पर से पकड़ ढीली हो रही है. जैन समाज के समक्ष आज यह चुनौती है कि समय के साथ आ रहे बदलावों को समझे व स्वयं को अनुरुप ढाले अन्यथा देश के अग्रणी व्यवसायियों की पंक्ति में खड़ा जैन समाज यह रुतबा खो देगा.

जैन समाज के समक्ष व्यावसायिक चुनौतियों को ठीक से समझते हुए, वे बदलते वैश्विक माहौल में स्वयं के व्यवसाय में आवश्यक बदलाव ला सके, हेतु योग्य समय पर व्यवसायियों एवं युवा पीढ़ी को निर्देशित करने की कार्य योजना भारतीय जैन संगठन द्वारा बनाई गई ताकि २१ वीं शताब्दी की चुनौतियों का सामना करने में उन्हें सशक्त किया जा सके. मैंने 'बदलोगे तो बढ़ोगे' कार्यक्रम डिजाईन किया. तीन घंटों की इस कार्यशाला में बाजार के बदलते स्वरुप, परंपरागत व्यावसायिक अवधारणाओं का अब अस्थान हो जाना व तकनीकी का व्यवसाय में बढ़ते महत्व आदि बिन्दुओं का समावेश किया है. सफल व्यापार के संचालन हेतु अनेक महत्वपूर्ण एवं उपयोगी मंत्र प्रतिभागियों को दिये जाते है जिससे वे अवश्य ही लाभान्वित हो रहे है. अब तक १२ हजार व्यावसायियों को सशक्त किया जा चुका है.

इस कार्यक्रम की सफलता ने मुझे एक नवीन कार्यक्रम डिजाईन करने हेतु प्रोत्साहित किया है. तीव्र गति से बदलते व्यावसायिक माहौल में 'व्यापार में बदलाव-क्यों और कैसे' विषय पर ३ दिवसीय इंटेंसिव कार्यशाला का डिजाईन कार्य प्रगति पर है व हमारा आपसे वादा है कि जून माह में या इससे पूर्व प्रथम कार्यशाला का आयोजन करेंगे. हमें आशा है कि हमारे प्रयासों से जैन समाज के व्यवसायियों को नई दिशा प्राप्त होगी.

राकेश जैन
मैनेजमेंट गुरु एवं
राज्याध्यक्ष, भारतीय जैन संगठन, मध्यप्रदेश

कार्यशाला में बतायें गए व्यापार के नए गुर

ऊटी - भारतीय जैन संगठन तमिलनाडु के तत्वावधान में २१ से २३ नवंबर १४ को ऊटी में युवाओं हेतु तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें उच्च शिक्षित व प्रोफेशनल युवक-युवतियों ने भाग लिया. इस तीन दिवसीय कार्यशाला में नया व्यापार प्रारंभ करने, व्यापार वृद्धि व सफल संचालन से व्यापार को टिकाये रखने के मंत्र दिये गए. विशेषज्ञ डॉ. एम् परिवल्लल, योगेश मोहन एवं उनके सहयोगियों ने प्रशंसनीय प्रशिक्षण प्रदान किया. कार्यशाला में जैन समाज के युवाओं की व्यावसायिक समस्याओं पर लक्ष्य करने के साथ-साथ व्यापार को प्रभावित कर रहे विभिन्न बिन्दुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराने तथा आत्मविश्वास के साथ जोखिम उठाने की क्षमताओं के महत्व पर उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया गया.

सर्वश्री धनराज टाटिया, महेश संखाला, संकेश सियाल, सुरेश खांटेड, किशोर गोलेचा, विक्रम नाहर, नवीन बोहरा, धीरेन मेहता ने कार्यक्रम को आतिथ्य प्रदान किया. आप सभी का हार्दिक अभिनंदन. श्री ज्ञानचन्द आंचलिया, राज्याध्यक्ष, तमिलनाडु, श्री गौतम बाफना, राज्याध्यक्ष, कर्नाटक एवं श्री राजेंद्र लुंकड, मंत्री, श्री सुरेश जीरावाला का प्रशंसनीय योगदान रहा.

आवासीय शिविर में युवाओं को दिये व्यक्तित्व विकास के मंत्र

नासिक-२० से २५ वर्ष के युवाओं हेतु नासिक में २१ से २७ दिसंबर,१४ को व्यक्तित्व विकास का आवासीय शिविर आयोजित किया गया जिसमें प्रख्यात प्रबंधन प्रशिक्षक सर्वश्री एन.रघुरामन, निर्मल भटनागर, अंजान मुखर्जी एवं टीम ने प्रतिभागी जैन युवक-युवतियों को व्यक्तित्व विकास के मंत्र दिये. नेतृत्वकला, संवादकला, अभिनवता, समय प्रबंधन, अनुशासन, आत्मविश्वास, सम्पादन आदि पहलुओं के जीवन व व्यवसाय में महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया. बदलते सामाजिक एवं व्यावसायिक माहौल में अच्छे वक्ता बनाने की अहमियत, विभिन्न दबावों से निपटने की कला, नित बदलते बाजार की चाल व उपभोक्ता की बदलती जरूरतों व मानसिकता को पहचानने, स्पर्धा व विक्रय पद्धतियों को समझने व उन पर महारथ हासिल करने संबंधी विविध विषयों पर इन युवक-युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया.

ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से समाज के युवा वर्ग को आने वाले कल हेतु प्रशिक्षित व निर्देशित करने हेतु भारतीय जैन संगठन द्वारा यह एक रचनात्मक प्रयास रहा.

भारतीय जैन संगठन : कार्यक्रम समाचार

रिश्ते तय करने की नई पद्धति पर व्याख्यानमाला का आयोजन

द्रुत गति से हो रहे परिवर्तनों से बदलते सामाजिक माहौल में वैवाहिक रिश्ते तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया संदर्भहीन हो चली है, जिसके कारण जैन समाज का लगभग प्रत्येक परिवार चाहे वह आर्थिक-सामाजिक रुप से कितना ही समृध्द क्यों न हों या उनके बेटे-बेटियां उच्च शिक्षित ही क्यों न हों, विवाह योग्य संतानों के रिश्ते तय करने में कठिनाईयों का सामना कर रहा है. इतना ही नही, पारंपरिक पद्धति से अब रिश्ते तय करना अनेक पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याओं का कारण बन रहा है जिसमें विवाह विच्छेद, दहेज, प्रेम विवाह आदि मुख्य हैं

भारतीय जैन संगठन के संस्थापक आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था ने रिश्ते तय करने की पद्धतियों में बदलाव लाने हेतु नवीन विचारधारा प्रस्तुत की है. इस विचारधारा से समाजजन् को अवगत एवं जाग्रत करने के उद्देश्य से भारतीय जैन संगठन ने विशेष वक्ताओं के माध्यम से देशव्यापी व्याख्यानमाला प्रारम्भ की है.

भारतीय जैन संगठन के महामंत्री श्री महेश कोठारी ने दि. २० से २४ मार्च तक उत्तरप्रदेश के आगरा शहर में ४ सभाओं के अतिरिक्त मैनपुरी, शामली एवं मध्यप्रदेश में ग्वालियर तथा भारतीय जैन संगठन के मंत्री श्री संजय सिंघी ने २० से २२ मार्च तक मध्यप्रदेश के सतना, जबलपुर, भोपाल, गंजबासोदा एवं उज्ज़ैन की २ सभाओं को वैवाहिक रिश्ते तय करने की पद्धति में बदलाव लाने की आवश्यकता पर समाजजन् को संबोधित किया.

सभी स्थलों पर समाजजन् ने प्रस्तुत नवीन विचारधारा को बदलते सामाजिक परिवेश में आवश्यक बतलाते हुए स्वागत किया. समाजजन् का मत था कि इस नवीन पद्धति से गत वर्षों मे उद्भवित हुई समस्याओं से जैन समाज मुक्त होगा व प्रेम विवाह, बढ़ते तलाक के अतिरिक्त समाज मे गहराती जा रही आर्थिक व सामाजिक असंतुलन की स्थिति पर नियंत्रण लाया जा सकेगा.

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अमेरिका में व्याख्यानमाला

दिनांक २६ फरवरी को मुम्बई में JAINA (Federation of Jain Associations in North America) के अध्यक्ष श्री प्रेम जैन एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुशील जैन के साथ भारतीय जैन संगठन के अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख एवं भारतीय जैन संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य एवं JAINA के भारत स्थित समन्वयक श्री निरंजन जुवाँ जैन ने समाज हित में विशेषकर समाज उत्थान एवं विकास, शिक्षा, शिक्षण सहायता व नियमित युवा सांस्कृतिक आदान-प्रदान, JAINA की भारत मे पारिवार उत्थान विकास की योजनाऐं आदि कार्यक्रमों पर संयुक्त रुप से कार्य करने की संभावनाओं पर चर्चा की तथा दोनों संस्थाओं द्वारा शीघ्र ही सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए जाएंगे.

श्री प्रेम जैन ने JAINA का Atlanta में इस वर्ष २ से ४ जुलाई को आयोजित होने वाले द्विवार्षिक अधिवेशन का निमंत्रण दिया. अमेरिका के ६ शहरों न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, लोसेंजलिस, सेनफ्रांसिस्को, शिकागो एवं बोस्टन आदि शहरों मे **भारतीय जैन समाज की सांप्रत दशा व समाज उत्थान एवं विकास में भारतीय अमेरिकन जैन समाज से अपेक्षाएं** विषय पर श्री प्रफुल्ल पारख को Atlanta अधिवेशन के पश्चात् व्याख्यान देने हेतु निमंत्रित किया गया.

इसके अतिरिक्त JAINA की युवा शाखा Jain Youth Association एवं Jain Youth Professionals के साथ नियमित सहकार व रचनात्मक योजनाओं पर संयुक्त रुप से कार्य करने की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा ताकि देश स्थित जैन समाज के युवा वर्ग को आर्थिक, वाणिज्यिक व सामाजिक वैश्विक एक्सपोजर प्राप्त हो सके.

उच्च शिक्षित परिचय सम्मेलन पुणे में सम्पन्न

उच्च शिक्षित युवक-युवतियों हेतु परिचय सम्मेलन का आयोजन महावीर प्रतिष्ठान पुणे में १५ मार्च को किया गया. १३६ प्रतिभागियों में ८० युवतियां एवं ५६ युवक थे. भारतीय जैन संगठन प्रेरित एवं आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जैन समाज के युवा वर्ग को वह अवसर एवं मंच प्रदान करना था जिससे वे योग्य जीवनसाथी का चयन कर सके.

ज्ञातव्य रहे कि भारतीय जैन संगठन द्वारा देश के विभिन्न शहरों में युवक-युवती परिचय सम्मेलनों का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जाता हैं.

सर्वश्री श्रीपाल ललवाणी, संतोष भंसाली, राजेंद्र सुराना,विजय पारख, सुनील गुंडेचा, प्रवीण मर्चेंट तथा श्रीमती मृदुला चोरड़िया, सुरेखा बेताला आदि के नेतृत्व में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

भारतीय जैन संगठन - यूथ सेल : कार्यक्रम समाचार

भारतीय जैन संगठन यूथ सेल पुणे के गठन को अभी एक वर्ष भी नहीं हुआ है, फिर भी इस सेल ने अनेक उपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन कर युवा साथियों को दिशा निर्देशित करने हेतु उपयोगी मंच प्रदान किया है. यूथ सेल ने गत कुछ माह में महत्वपूर्ण एवं युवापयोगी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का संचालन किया.

दिनांक ११ अक्टूबर २०१४ को मुथ्था चेम्बर्स, पुणे में 'show me the money' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. विशेषज्ञ श्री चकोर गांधी, पुणे ने आधुनिक युग में वैश्विकरण से प्रभावित वाणिज्य एवं व्यवसाय के सफल संचालन के रहस्यों से १९० युवा उद्यमी प्रतिभागियों को अवगत कराया व 'कमाओ, खाओ व वृद्धि करो' का मंत्र दिया. उन्होंने ग्राहक को समझने व उससे जुड़ने के नुस्खे बतलाते हुए सलाह दी कि सदैव बड़ा सोचे.

१७ जनवरी, २०१५ को महावीर प्रतिष्ठान, पुणे में '२१ वीं सदी के उद्यमी' विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें पुणे के १४० युवा उद्यमियों ने भाग लिया. विशेषज्ञ श्री निलेश सुराना, औरंगाबाद ने सफल व्यापार के मंत्र देते हुए कहा कि ग्राहक को संतुष्ट करने से अधिक महत्वपूर्ण है ग्राहक को खुश रखना. सफल जीवन व सफल व्यापार हेतु उन्होंने Happiness Audit एवं मस्तिष्क को Idea Machine में परिवर्तित करने की सलाह दी. श्री सुराना ने कहा कि नवपरिवर्तन (Innovation) मात्र व्यवसाय में ही नहीं अपितु दैनिक जीवन का अंग होना चाहिए.

२२ मार्च को 'The Great Jain Treasure Hunt' का आयोजन पुणे में विद्यार्थियों एवं युवाओं हेतु किया गया. इसमें लगभग ५०० प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें १० विदेशी भी थे. प्रात: मुथ्था चेम्बर्स से प्रारम्भ होकर मध्यान्ह ३ बजे वर्धमान सांस्कृतिक भवन पर कार्यक्रम की पूर्णाहुति हुई. प्रथम पुरस्कार 'जियो और जीने दो' टीम ने प्राप्त किया. कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों में प्रतिभागियों ने उत्साह व आनंद के साथ भाग लिया.

उपरोक्त सभी आयोजनों के संचालक सर्वश्री अखिल भंसाली एवं सिद्धार्थ पारख हैं व सभी सहयोगी सर्वश्री आदित्य, आकाश, अक्षय, विरेन, दीपक, धीरज, हर्षद, जितेश, कल्पेश, निकुंज, प्रतीक, रूपेश, ऋषभ, राकेश, सारंग, सागर, तेजल, विवेक, विराज, योगेश, डॉ. गौरव एवं अमृता, रीता, पूनम, मनाली आदि अभिनंदन के अधिकारी है.

युवा शक्ति ही आदर्श एवं सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है. उन्हें योग्य दिशा देकर समाज प्रवाह में लाना नितांत आवश्यक है तभी युवा ऊर्जा का समाज व देश निर्माण में रूपांतरण संभव होगा.

आज का युवा प्रतिदिन नयी चुनौतियों से जूझ रहा है. उनकी समस्याओं पर उनके ही द्वारा लक्ष्य करने का अभिनव प्रयास भारतीय जैन संगठन द्वारा पुणे में प्रायोगिक स्तर पर 'यूथ सेल' की स्थापना कर किया जा रहा है. निकटभविष्य में देश के समस्त जैन युवा वर्ग को 'यूथ सेल' के माध्यम से उस मंच को प्रदान करने की योजना है जहाँ उनकी क्षमतावृद्धि के साथ व्यक्तित्व विकास संभव हो सके.

भारतीय जैन संगठन : संगठनात्मक समाचार

कार्यकर्ता समस्यों के उपायों को गाँव-गाँव, घर-घर ले जाये - प्रफुल्ल पारख
महाराष्ट्र राज्य के कार्यकर्ताओं की सभा में आह्वान

जालना – भारतीय जैन संगठन महाराष्ट्र राज्य के कार्यकर्ताओं की सभा १ मार्च को जालना में संपन्न हुई, जिसमें राज्याध्यक्ष श्री पारस ओसवाल, उपाध्यक्ष अशोक संघवी, मंत्री अभिनंदन खोत सहित महाराष्ट्र राज्य के सभी क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं मंत्री, सभी जिलाध्यक्ष एवं मंत्री व २०० से अधिक पदाधिकारीगण तथा योजना/कार्यक्रम प्रभारियों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया. सभा का आकर्षण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख एवं महामंत्री श्री महेश कोठारी की उपस्थिति रही. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि समाजजन् के लाभार्थ व सामाजिक उत्थान एवं विकास हेतु भारतीय जैन संगठन एक सशक्त मंच है जिसका महत्तम उपयोग करने की सलाह कार्यकर्ताओं को दी. उन्होने भारतीय जैन संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे विद्यार्थी मूल्यांकन, युवती एवं युगल सशक्तिकरण, युवक-युवती परिचय सम्मेलन व व्यवसाय विकास कार्यक्रम आदि पर चर्चा करते हुए समाज हित मे इन्हें अपनाने व उनके क्षेत्रों में कार्यान्वित करने हेतु प्रेरित किया तथा मार्गदर्शन दिया. आपने कहा कि कार्यकर्ताओं की सशक्त सेना के बल पर ही संस्थाओं की सफलता निर्भर करती है अत: उन्हें समर्पण के साथ समाज सेवा करते हुए समाज की समस्याओं के उपाय गाँव-गाँव, घर-घर तक पहुँचाने चाहिए. आपने घोषणा की कि भारतीय जैन संगठन पदाधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम निकट भविष्य मे महाराष्ट्र में आयोजित किया जाएगा.

श्री महेश कोठारी ने सभा को संबोधित किया व कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया. श्री पारस ओसवाल, राज्याध्यक्ष ने गत एक वर्ष में आयोजित किए गए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला व निकट भविष्य में कार्यक्रमों के ग्राम स्तर पर आयोजन हेतु आश्वस्त करते हुए महाराष्ट्र राज्य के शेष क्षेत्रों में पदाधिकारियों की नियुक्ति का कार्य शीघ्रता शीघ्र पूर्ण करने का वादा किया. श्री ओसवाल ने राज्य के सभी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा के सदस्यों से रचनात्मक सहयोग हेतु प्रार्थना की. सभा में उपस्थित महानुभावों का सभा के प्रारम्भ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री हस्तीमल बंब ने शब्द सुमनों से स्वागत किया.

राज्य के विभिन्न गाँवों एवं शहरों से पधारे पदाधिकारिगण एवं कार्यकर्ताओं से उनके अभिप्राय लिए गए व कार्यक्रमों के आयोजन एवं कार्यान्वयन में उनके द्वारा अनुभव की जा रही कठिनाईयों को प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया जिस पर गहन चर्चा व विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय भी लिए गए.

आयोजन को सफल बनाने हेतु जालना आयोजन एवं समन्वय समिति के सदस्य सर्वश्री शीतल लुंकड, विनोद सावजी, प्रकाश बोरा, सुनील मुथ्था एवं श्रीमती अनिता सावजी, लता बंब, सीमा बंब, प्रिय बंब एवं रुपाली बंब का सराहनीय सहयोग रहा.

अल्पसंख्यक लाभों की जानकारी समाजजन् तक पहुँचायें राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा हैदराबाद में सम्पन्न

हैदराबाद – भारतीय जैन संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा १४ व १५ मार्च को भारतीय जैन संगठन हैदराबाद के आतिथ्य में सम्पन्न हुई. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, महामंत्री श्री महेश कोठारी, उपाध्यक्ष श्री कैलाशमल दुगड़, मंत्री सर्वश्री संजय सिंघी एवं राजेंद्र लुंकड़ सहित ३५ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया. आंध्रप्रदेश राज्याध्यक्ष श्री नवरत्नमल गुंडेचा, मंत्री डॉ. घिसुलाल जैन, निर्मल सिंघवी, हर्ष मुनोत, श्रीपाल देसरड़ा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

सभा सूची के विभिन्न मुद्दों पर क्रमवार चर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रारम्भ की. गत तीन माह में आयोजित कार्यक्रम एवं सम्पन्न गतिविधियों से सदस्यों को अवगत कराया गया, जिनमें प्रमुखता से २० से २५ वर्ष की आयु के युवाओं हेतु व्यक्तित्व विकास व सफल व्यवसाय संचालन के रहस्यों से परिचित करवाने का ७ दिवसीय आवासीय शिविर २१ से २७ दिसंबर १४ को नासिक में आयोजित हुआ, अल्पसंख्यक लाभों पर भारतीय जैन संगठन द्वारा चलाये जा रहे देशव्यापी जनजागृति अभियान में जैन शिक्षण संस्थाओं को प्राप्त होने वाले लाभों पर विशेष कार्यक्रम का निर्माण व **"भारतीय जैन संगठन समाचार"** हिन्दी मासिक के शुभारंभ पर हर्ष व्यक्त किया. विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के महत्व व उन्हे

समाजजन् तक पहुँचाने हेतु **orientation** सत्र का आयोजन हुआ. जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों पर सर्वश्री राजेंद्र लुंकड़, संजय सिंघी, अनिल रांका, निरंजन जुवाँ एवं रजनीश जैन ने भाग लिया. जैन समाज के सभी वर्गों तक अल्पसंख्यक लाभों की जानकारी पहुँचाने हेतु सदस्यों से भारतीय जैन संगठन द्वारा चलाये जा रहे देशव्यापी जनजाग्रति अभियान में कार्यशालाओं को उनके क्षेत्र में आयोजित करने हेतु आह्वान किया.

सभा के द्वितीय दिवस, विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा विचारणा के अतिरिक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्यों को प्रदान किए गए त्रिमासिक उत्तरदयित्वों की समीक्षा की गई. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रोत्साहित करने के अतिरिक्त योग्य मार्गदर्शन प्रदान किया. आपने जैन समाज की राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समाज उत्थान व विकास हेतु सहकार के आदान-प्रदान की योजनाओं व अब तक हुई प्रगति से भी सदन को अवगत कराया.

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी सभा २०-२१ जून को बैंगलोर (कर्नाटक) में आयोजित करने का निर्णय लिया गया. सभा के समापन अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित किया व सभा आयोजन तथा भव्य आतिथ्य प्रदान करने हेतु समस्त हैदराबाद व आंध्रप्रदेश-तेलंगना टीम का धन्यवाद् किया गया.

समाज जागृति हेतु मराठवाड़ा में तीन दिवसीय दौरा सम्पन्न

सोलापुर– भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के नौ जिलों में दौरा दिनांक २० मार्च से प्रारम्भ किया. इस यात्रा में श्री पारख ने नांदेड़, शिरड शहापुर (हिंगोली), परभणी, परतूर (जालना), सिलोड़ (औरंगाबाद), गेवराई(बीड़), मुरड़(लातूर), उस्मानाबाद, सोलापुर आदि का भ्रमण कर जैन समाज के २००० से अधिक सदस्यों से प्रत्यक्ष संपर्क किया व विभिन्न सभाओं को संबोधित किया.

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस दौरे में अनेक गॉवों, नगरों में जैन समाज के लोगों से बातचीत की व ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक व अन्य कठिनाईयों को समझने का प्रयास किया. इस यात्रा में उन्होंने महाराष्ट्र के ग्रामीण जैन समाज से सम्पर्क स्थापित किया ताकि भारतीय जैन संगठन उनकी समस्याओं पर लक्ष्य केन्द्रीत कर आवश्यक योजनाओं का निर्माण कर सके.

कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को ग्राम व तालुका स्तर पर

सशक्त व समाजपयोगी बनाने के प्रयासों के अतिरिक्त जिला व क्षेत्रीय पदाधिकारियों व गॉवों के जैन समाज के मध्य तालमेल व समन्वय तथा योग्य संचार (communication) की निर्मित खाई को पाटने हेतु महत्वपूर्ण चर्चा की व मार्गदर्शन दिया. राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे से जैन समाज में जाग्रति का निर्माण हुआ व उन्हें भारतीय जैन संगठन के समाज उत्थान के कार्यक्रमों की उपयोगिता एवं महत्व समझ मे आया.

इस दौरे की रुपरेखा भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री हस्तीमल बंब ने बनाई, सर्वश्री पारस बगरेचा, आनंद जैन, संदीप रायसोनी, प्रकाश सोनी, तेजकुमार झाँझरी, जितेंद्र छाजेड़, झुंबरलाल मुथ्था, स्वरुप संकलेचा, कल्पेश भण्डारी, सुनील पगारिया, महावीर कर्नावट, किशोर पगारिया, संतोष पांगद, सुभाष सुराना, शांतिलाल कोचेटा, दीपक अजमेरा, केतन शहा एवं गणेश चतुर्मुथ्था के प्रयासों से मराठवाड़ा दौरा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ.

अल्पसंख्यक सूचनाएं, जानकारी एवं समाचार

BJS-WhatsApp सेवा प्रारम्भ

BJS भारतीय जैन संगठन
Bharatiya Jain Sangathan
empowering today enriching tomorrow

National Minorities Development & Finance corporation (NMDFC) have revised the loan limits for Term Loan(Business Loan), Education loan, & Micro Financing recently.
The loan is provided to the section of Minority with **income limits up to Rs.81,000 p a for rural areas & Rs.1.03 lakhs in urban areas**
Term Loan-Upto 20 Lakhs; Rate of Interest-6%
Education Loan-Up to Rs.15.00 Lakhs
for 'Professional Job Oriented Degree Courses' in India with a maximum duration of 5 years @ Rs. 3.00 per annum and
Up to Rs.20.00 Lakhs for 'Courses Abroad'
with a maximum duration of 5 years @ Rs. 4.00 Lakhs per annum .
Micro Financing Loan- Up to 1 Lakh per member of SHG

For more details on revised schemes & programs of NMDFC kindly visit the following link/website:-
http://www.nmdfc.org/schemes.html

For any further queries kindly mail us at
helpminority@bjsindia.org

Tel.: 020 4120 0600, 4128 0012, 4128 0013

अल्पसंख्यक लाभों पर भारतीय जैन संगठन द्वारा चलाये जा रहे देशव्यापी जनजाग्रति अभियान के अंतर्गत WhatsApp पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी, नियम, आवेदन के तरीकों आदि की नियमित सूचनाएँ प्रेषित करना प्रारम्भ किया गया है. समाजजन् को सलाह-सूचना के अतिरिक्त पूछे गए प्रश्नों के उत्तर व समाधान भी दिये जाएगें.

इस योजना का जैन समाज के अधिक से अधिक सदस्यगण लाभ लें, हेतु भारतीय जैन संगठन की इस सेवा में आपके पंजीयनार्थ आपका नाम, मोबाईल नंबर, शहर/गाँव का नाम, तथा ई मेल (यदि हो तो) हमारे मोबाईल नंबर 9158887019 पर SMS करें या email - helpminority@bjsindia.org पर प्रेषित करें. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

ऋण सीमाएं बढ़ी

महिलाएं, व्यापारी वर्ग एवं विद्यार्थियों हेतु भारत सरकार के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम (National Minority Development Finance Corporation) द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं में ऋण स्वीकृति की अधिकतम सीमाओं में वृद्धि की गई है. अब जिन ग्रामीण एवं शहरी परिवारों की कुल वार्षिक आय रू. ८१,००० एवं रू. १.०३ लाख क्रमश: है, व्यापार हेतु ६% ब्याज दर पर रू. २० लाख, विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु रू १५ लाख व विदेश में अनुसंधान या अनुस्नातकीय शिक्षा हेतु रू २० लाख का अधिकतम ऋण प्राप्त हो सकेगा. सेल्फ हेल्थ ग्रुप के सदस्य हेतु अब ऋण (Micro Financing) सीमा रू. ५०,००० से बढ़ाकर रू. १ लाख प्रति सदस्य की गई है.

हाल ही में प्रभावी की गई एक नवीन ऋण योजना में जिन परिवारों की कुल वार्षिक आय रू. ६ लाख से कम है तथा जो भारत सरकार के जइउ नियमों के अंतर्गत 'CREAMY LAYER' परिधि में वर्गीकृत न होते हों, व्यापार हेतु पुरूषों को ८% एवं महिलाओं को ६% वार्षिक ब्याज दर पर रू. ३० लाख अधिकतम, उच्च शिक्षा हेतु रू. २० लाख (अधिकतम अवधि ५ वर्ष रू. ४ लाख प्रतिवर्ष) व विदेश में शिक्षा प्राप्त करने हेतु रू. ३० लाख (अधिकमत अवधि ५ वर्ष रू. ६ लाख प्रतिवर्ष) ऋण प्राप्त हो सकेगा. सेल्फ हेल्प ग्रुप के सदस्यों हेतु अब ऋण (Micro Financing) सीमा रू. १.५० लाख प्रति सदस्य की गई है. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

अब नहीं रहेंगे अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र आवश्यक

आगामी शैक्षणिक वर्ष २०१५-१६ से विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन हेतु आवेदन पत्र के साथ अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र संलग्न करने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है. विद्यार्थी द्वारा सादे कागज पर स्वघोषणा को मान्य किया गया है. इस संबंध में केन्द्रसरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक : २/३७(२)२०१४ डड दिनांक २८ अगस्त, १४ से उपरोक्त अधिसूचना देश के सभी राज्य सरकारों के सचिवों को प्रेषित की गई है. अधिक जानककारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

अल्पसंख्यक लाभों, योजनाओं की जानकारी, आवेदन के तरीकों, आपके प्रश्नों के समाधान पाने व पुस्तकें प्राप्त करने हेतु हमसे सम्पर्क करें

भारतीय जैन संगठन पुणे
at
helpminority@bjsindia.org
टेलीफोन नंबर
020-4120 0600, 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013

अब आवश्यक होंगे सरकार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड

विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में शैक्षणिक वर्ष २०१५-१६ से राज्य सरकारों के सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी पारिवारिक आय का प्रमाणपत्र अब आवेदन पत्र के साथ लगाना आवश्यक किया गया है. ज्ञातव्य रहे कि शैक्षणिक वर्ष २०१४-१५ हेतु प्रभावी शपथपत्र द्वारा आय की स्वघोषणा का नियम अब रद्द किया गया है. विद्यार्थियों का आधार कार्ड भी आवश्यक किया गया है. अत: पारिवारिक आय का प्रमाणपत्र व आधार कार्ड संबन्धित सरकारी विभाग से शीघ्र प्राप्त करने की सलाह दी जाती है. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

जैन शिक्षण संस्थाओं को प्राप्त अल्पसंख्यक लाभों पर कार्यशाला का निर्माण

भारतीय जैन संगठन ने सम्पूर्ण देश में जैन समाज द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं हेतु विशेष कार्यशाला का निर्माण किया है. विभिन्न योजनाओं की जानकारी, योजनाओं से उपलब्ध लाभों, नियमों, लाभ प्राप्त करने के तरीकों आदि विषय पर सम्पूर्ण जानकारी जैन शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधकों, ट्रस्टियों व प्रधानाचार्यों को एक दिवसीय कार्यशाला में भारतीय जैन संगठन के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएगी.

आपके क्षेत्र में संचालित सभी जैन शिक्षण संस्थाओं हेतु, संयुक्त कार्ययाला के आयोजनार्थ, हमसे सम्पर्क करने की प्रार्थना है.

अल्पसंख्यक लाभों पर भारतीय जैन संगठन का जनजाग्रति अभियान

अल्पसंख्यक लाभों की सम्पूर्ण जानकारी समाजजन् को देने हेतु भारतीय जैन संगठन द्वारा विशेष जन जाग्रति अभियान प्रशिक्षित वक्ताओं के माध्यम से सम्पूर्ण देश में चलाया जा रहा है. गत ३ माह में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात एवं उत्तरप्रदेश के अनेक नगरों एवं शहरों में जाग्रति अभियान कार्यक्रम के तहत् ५९ कार्यशालाओं का आयोजन किया गया. आपके नगर/शहर में आपकी पहल पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन समाजहित में आवश्यक है, अत: प्रार्थना है कि आयोजन संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु भारतीय जैन संगठन के राज्य अध्यक्ष या हमसे सम्पर्क करें.

अल्पसंख्यक लाभों पर जनजाग्रति अभियान में कार्यशालाओं का आयोजन

भारतीय जैन संगठन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक लाभों पर प्रशिक्षित प्रशिक्षकों के माध्यम से चलाये जा रहे जनजाग्रति अभियान में अब तक देश के विभिन्न राज्यों में १०५ से अधिक कार्यशालाओं का आयोजन गत एक वर्ष में किया गया है.

चित्र में डॉ. संजय ऑचलिया, समीप इंदाने, कुशल बलडोटा, किशोर देसर्डा, नितीन जैन, डॉ. विमल जैन, श्रीमती साशा जैन, डॉ. सोनल मेहता एवं हर्षिता नाहर आदि कार्यशालाओं में समाजजन् को अल्पसंख्यक लाभों से अवगत करवाते हुए.

IGNITING BUSINESS DEVELOPMENT

We are proud iBuD fellows-

young, enthusiastic and determined men and women, set out to travel to 7 magnificent cities in 7 days - Pune, Mumbai, Jalgaon, Ahemdabad, Indore, Bengaluru and Chennai from 12th to 18th April 2015.

We are geared up for innovative entrepreneurial ideas and ventures; prepared to derive our business development strategies backed by good understanding of global market; and are happy with the networking opportunities with all our fellows.

Thanks to BJS & Athena.

Aaditya Jain · Abishek Tated · Anand Chhajed · Anand Singhvi · Anup Aabd · Arihanth · Bahubal Jain · Deven Jain · Dhawal Kochar · Dhiraj Ostwal

Dveependra Parakh · Gaurav Munhani · Gaurav Jain · Harsha Jain · Harsha Uddur · Manish Maru · Mitesh Katariya · Palash Jain · Piyush Balai · Pramod Jain

Pramod Chordia · Prashant Oswal · Raj Golechha · Rajesh Bagrecha · Hitesh Bafna · Janvi Sakhala · Kuldeep Surana · Richa Kochar · Rupen Humad · S Kishore Bohra

Sachin Oswal · Sagar Sethiya · Samir Jain · Sandeep Jhabak · Sandesh Dhariwal · Sanmit Shah · Siddharth Parakh · Sudesh Anchaliya · Sudhir Anchaliya · Sumit Lodha

Suresh Kothari · Swapnil Mutha · Tarun Jain · Tushar Rathod · Varun Parakh · Vipul Shah · Yash Lodha

Business Exposure Tour
organised by
Bharatiya Jain Sangathan
in partnership with
Athena Advanced Learning Solutions Pvt. Ltd.

Book-Post

BJS
Bharatiya Jain Sangathan
Ground Floor, Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel.: 020 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org
Facebook : www.facebook.com/BJSIndia